प्लैटिनम वैली इंटरनेशनल स्कूल

वार्षिक पाठ्यक्रम (2024- 25)

कक्षा- 6

विषय- हिंदी

पुस्तक:- सोन चिरैया

व्याकरण पुष्प

Month	Topic	Objectives	Art integration/ Experiential learning	Methodology of teaching/ Art of teaching	Learning outcomes
अप्रैल	**सोन चिरैया- पाठ 1 उठो धरा के अमर सपूतों!**	***स्वतंत्रता के महत्व को समझाना।** ***मातृभूमि के विषय में विवेचन करना।** ***मातृभूमि के प्रति अपने कर्तव्य से परिचित कराना।** ***मातृभूमि के विषय में परिकल्पना करना।** ***देश और देशवासियों के नवीन निर्माण के लिए प्रेरित करने के विषय में बताना।**	**देशभक्ति का चित्र सीट पर लगे वह उनके विषय में अपने विचार प्रस्तुत करें।**	व्याख्यान विधि	***छात्रों ने स्वतंत्रता के महत्व को समझा।** ***छात्र मातृभूमि के विषय से परिचित हुए।** ***छात्रों ने मातृभूमि के विषय में परिकल्पना की।** ***छात्र मातृभूमि के प्रति अपने कर्तव्य से परिचित हुए।** ***छात्र देश और देशवासियों के नवीन निर्माण के विषय में जाना।**
	पाठ -2 मिठाई वाला	***छात्रों में दया की भावना को विकसित करना।** ***छात्रों के जीवन में परिवार के महत्व को अवगत कराना।** ***पुराने समय के फेरी वालों में आज के समय के**	**संकेत बिंदुओं के आधार पर कहानी लेखन।**	व्याख्यान विधि	***छात्रों में दया की भावना विकसित हुई।** ***छात्रों ने अपने जीवन में परिवार के महत्व को समझा।** ***छात्र पुराने समय के फेरी वालों का आज के समय के फेरी वालों में अंतर कर**

		फेरी वालों की तुलना कर सकेंगे।			पाए।
	व्याकरण पुष्प- पाठ 1 भाषा बोली लिपि और व्याकरण	*छात्रों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि जागृत करना। *छात्रों को भाषा के विविध रूपों की जानकारी प्रदान करना। *छात्र भाषा के विभिन्न रूपों की तुलना कर सकेंगे।	दस रूपए का नोट बनाकर उसमें लिखी भाषाओं का वर्णन कीजिए।	प्रश्नोत्तर विधि	*छात्रों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न हुई। *छात्रों को भाषा के विविध रूपों की जानकारी प्राप्त हुई। *छात्रों ने भाषा के विभिन्न रूपों की तुलना की।
	पाठ -2 वर्ण विचार	*छात्रों को व्याकरण के नियमों का ज्ञान कराना। *छात्रों को भाषा के शुद्ध रूप का प्रयोग करना सीखाना। *छात्रों को वर्णों के भेद से अवगत कराना।	वर्ण भेदों का वृक्ष के अंगो के रूप में चित्र बनाए।	चर्चा विधि	*छात्रों ने व्याकरण के नियमों का ज्ञान सीखा। *छात्रों ने भाषा के शुद्ध रूप का प्रयोग करना सीखा। *छात्रों ने वर्णों के भेद को जाना।
	संज्ञा	*छात्र संज्ञा के विषय में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। *छात्र संज्ञा के भेद में अंतर कर सकेंगे। *छात्र भाववाचक संज्ञा का निर्माण जान सकेंगे।	जातिवाचक व व्यक्तिवाचक संज्ञाओ से सम्बन्धित चित्र खोजकर लगाइए।	प्रश्नोत्तर विधि	*छात्रों ने संज्ञा को समझा। *छात्रों ने संज्ञा के भेदों में अंतर को पहचाना। *छात्रों ने भाववाचक संज्ञा का निर्माण सीखा।
	पत्र लेखन	*छात्र पत्र लेखन के महत्व को समझ सकेंगे। *छात्र पत्रों के प्रकार मैं अंतर स्पष्ट कर सकेंगे।			*छात्रों ने पत्र के महत्व को समझा। *छात्रों ने औपचारिक व अनौपचारिक पत्र में अंतर को समझा।

मई	**सोन चिरैया -पाठ 3 धन की खोज** **व्याकरण- लिंग, वचन, उपसर्ग**	***छात्रों को सदाचार के महत्व को समझाना।** ***छात्रों में नैतिक गुणों का समावेश करना।** ***छात्रों को गुरु शिष्य परंपरा की संस्कृति से परिचित कराना।** ***छात्रों को नैतिक गुणों में उच्च आदर्शों का संबंध बताना।** ***छात्र उपसर्ग के द्वारा नया शब्द बनाने की प्रक्रिया को समझ सकेंगे।** ***छात्र लिंग व उसके भेद के विषय में अंतर कर सकेंगे।** ***छात्र वचन के विषय में जानकर उसके भेद में तुलना कर सकेंगे।**	कोई एक लोककथा लिखकर उससे सम्बंधित चित्र बनाए। *पांच उपसर्गों का प्रयोग करके ने शब्द लिखिए। *स्त्रीलिंग व पुल्लिंग शब्दों को लिखकर उससे सम्बंधित चित्र बनाए। *ऐसे पांच शब्द खोजकर लिखिए जिनका कारक चिन्हों के बिना बहुवचन नहीं बनता।	व्याख्यान विधि चर्चा विधि	***छात्रों ने सदाचार के महत्व को समझा।** ***छात्रों ने गुरु शिष्य परंपरा की संस्कृति को जाना व समझा।** ***छात्रों ने नैतिक गुण व उच्च आदर्शों के संबंध को पहचाना।** ***छात्रों ने उपसर्गों द्वारा नया शब्द बनाने की प्रक्रिया को सीखा।** ***छात्र लिंग को जान आए हुए उसके भेदों में अंतर कर पाए।** ***छात्रों ने वचन को समझा वह उसके भेद में तुलना करना सीखा।**
जुलाई	**सोन चिरैया- पाठ 4 वह देश कौन सा है?**	***छात्रों में देश प्रेम की भावना का विकास करना।** ***छात्रों को भारत देश की पावन भूमि पर हुए महान लोगों के उच्च आदर्शों के विषय में बताना।** ***छात्रों को भारत देश की संपूर्ण प्राकृतिक संपदा से**	किन्हीं पांच देशभक्तों के चित्र अपनी पुस्तिका में चिपकाकर उनके नाम व उनकी तीन विशेषताएं लिखिए।	व्याख्यान विधि	***छात्रों में देश प्रेम की भावना का विकास हुआ।** ***छात्रों ने महान लोगों के उच्च आदर्शों के विषय में जाना।** ***छात्रों ने भारत की प्राकृतिक संपदा को समझा व जाना।**

		अवगत कराना।			
	पाठ -5 घीसा	***छात्रों को गरीब बच्चों के साथ मानवीय व्यवहार करना सीखना।** ***छात्रों के जीवन में प्रेम व करुणा के महत्व को समझना।** ***छात्रों में शिक्षा के प्रति अटूट आस्था का निर्धारण करना।**	घीसा का अपने कुत्ते से बहुत लगाव था। इस कथन को ध्यान में रखकर लिखिए कि पशु पक्षी हमारे जीवन में किस प्रकार सहायक है?	व्याख्यान विधि	***छात्रों में सभी के साथ मानवीय व्यवहार करना सीखा।** ***छात्रों ने करुणा व प्रेम के महत्व को समझा।** ***छात्रों ने शिक्षा के महत्त्व को समझा व उसमे आस्था का निर्धारण किया।**
	पाठ- 6 साइकिल की सवारी	***छात्रों को साइकिल के आविष्कार की जानकारी प्रदान करना।** ***छात्रों में दृढ़ इच्छा शक्ति के महत्व की व्याख्या करना।** ***छात्रों के जीवन में हास्य के महत्व की खोज करना।**	साइकिल चलाने के अपने अनुभव कक्षा में सुनाइए।	व्याख्यान विधि	***छात्रों ने साइकिल के आविष्कार के विषय में जाना।** ***छात्रों ने दृढ़ इच्छा शक्ति के महत्व को समझा।** ***छात्रों ने हास्य के महत्व को समझा।**
	व्याकरण- सर्वनाम, शब्द भंडार, विशेषण, मुहावरे व लोकोक्तियाँ	***छात्रों को सर्वनाम के विषय में जानकारी प्रदान करना।** ***छात्रों को पर्यायवाची, विलोम शब्द, अनेकार्थी शब्द, समश्रुत भिन्नार्थक शब्द आदि के विषय में समझना।** ***छात्रों को विशेषण के महत्व की जानकारी देना।** ***छात्रों को मुहावरे व लोकोक्तियां का महत्व बताना।**	सर्वनाम के भेदों का चित्र के माध्यम से वर्णन कीजिए। *अपने मित्र की पांच विशेषताएं	प्रश्नोत्तर विधि प्रश्नोत्तर विधि	***छात्रों ने सर्वनाम को समझा।** ***छात्रों ने पर्यायवाची, विलोम, अनेकार्थी शब्दों को समझा व उनके अंतर को जाना।** ***छात्रों ने विशेषण का प्रयोग सीखा।** ***छात्रों ने मुहावरे और लोकोक्तियों के विषय में जानकर उनके अंतर की जानकारी प्राप्त की।**

			विशेषण शब्दों द्वारा बताइए।		
अगस्त	**सोन चिरैया -पाठ 7 खिलौ नेवाला** **पाठ- 8 जवाहर लाल नेहरू का पत्र** **व्याकरण- शब्द विचार, वाक्य, अनुच्छेद लेखन**	***छात्रों को भाषा की विधा कविता से अवगत कराना।** *** छात्रों में नैतिक मूल्यों और आदर्शों का समावेश कराना।** ***छात्रों में आपसी सहयोग और सुरक्षा की भावना का विकास करना।** ***छात्रों को पत्र द्वारा अपने भाव और विचारों का आदान-प्रदान करना सीखना।** ***छात्रों को मानव विकास की सतत जानकारी प्रदान करना।** ***छात्रों को शब्दों के विभिन्न भेदों के अंतर को समझाना।** ***छात्रों को वाक्य के भेदों को समझाना व वाक्य निर्माण का ज्ञान कराना।** ***अनुच्छेद लेखन विधा का ज्ञान कराना।**	सुभद्रा कुमारी चौहान की कोई अन्य कविता लिखिए। *पंडित जवाहरलाल लाल नेहरू के विषय में कुछ जानकारी देकर उनका चित्र बनाए। *शब्दों व वाक्य के भेदों का वर्णन चित्र की सहायता से कीजिए।	व्याख्यान विधि व्याख्यान विधि प्रश्नोत्तर विधि	***छात्र भाषा की विधा कविता से परिचित हुए।** ***छात्रों में नैतिक मूल्यों का विकास हुआ।** ***छात्रों में आपसी सहयोग और सुरक्षा की भावना का विकास हुआ।** ***छात्रों को मानव विकास की जानकारी प्राप्त हुई।** ***छात्रों ने शब्दों के भेदों के अंतर को समझा।** ***छात्रों ने वाक्य को समझकर उसके निर्माण को सीखा।** ***छात्रों ने अनुच्छेद लेखन करना सीखा।**
सितंबर		**अर्धवार्षिक परीक्षा की पुनरावृति व अर्धवार्षिक परीक्षा**			
अ	**सोन**	***छात्रों को त्याग, बलिदान**	सत्यमेव जयते की	चर्चा विधि	***छात्रों ने त्याग व बलिदान**

क्टूबर	**चिरैया-पाठ 9 पन्ना धाय** **पाठ -10 कितनी ज़मीन** **व्याकरण- समास, क्रिया, विराम चिह्न, विज्ञापन लेखन**	**की भावना के महत्व को समझाना।** ***जीवन में अच्छे गुणों को ग्रहण करना सीखाना।** ***पन्ना धाय की इतिहास की प्रसिध गाथा को समझाना।** ***छात्रों को लालच बुरी बला है के विषय में बताना।** ***छात्रों को संतोष ही परम धन है का ज्ञान करवाना।** ***छात्रों को बताना कि हमें अपने ही कर्म पर विश्वास करना चाहिए।** ***छात्रों को समास के विभिन्न भेद की जानकारी देना व उनका प्रयोग करना सीखना।** ***छात्रों को विराम चिन्हो के विषय में बताना वह उनके प्रयोग को समझना।** ***छात्रों को क्रिया के विषय में जानकारी प्रदान करना।** ***छात्रों को विज्ञापन लेखन के विद्या की जानकारी प्रदान करना।**	तरह 2 सूक्तियां ए 4 साइज सीट पर लिखकर लाए। पाठ के लेखक लियो टालस्टाय के विषय में जानकारी लिखकर चित्र बनाए। समास के भेद व परिभाषा फ्लैश कार्ड द्वारा दर्शाए।	व्याख्यान विधि प्रश्नोत्तर विधि	**के महत्व को समझा।** ***छात्रों ने अच्छे गुणों को सीखा।** ***छात्रों ने पन्ना धाय की इतिहास गाथा को सुना व पढ़ा।** ***छात्रों ने लालच नहीं करने के विषय में सीखा।** ***छात्रों ने सदैव संतोष करने की बात को माना।** ***छात्रों ने जैसा करोगे वैसा ही मिलेगा इस बात को सीखा।** ***छात्रों ने समाज के विभिन्न रूपों की जानकारी प्राप्त की।** ***छात्रों में विभिन्न में विराम चिन्हो के प्रयोग को सीखा।** ***छात्रों ने क्रिया के विभिन्न रूपों की जानकारी प्राप्त की वह उनके प्रयोग को सीखा।** ***छात्रों ने विज्ञापन लेखन विधा के विषय में जानकारी प्राप्त की।**
नवंबर	**सोन चिरैया -पाठ 11**	***छात्रों को गुजरात के विषय में जानकारी प्रदान करना।** ***छात्रों को भ्रमण के महत्व**	गुजरात से सम्बन्धित दर्शनीय स्थल, खानपान, पहनावे आदि को	व्याख्यान विधि	***अच्छा तुमने गुजरात राज्य के विषय में जाना।** ***छात्रों ने भ्रमण के महत्व को समझा।**

	अनूठा गुजरात **पाठ -12 पेड़ों को मत काटो** **व्याकरण -अव्यय , अपठित बोध**	**को समझना।** ***छात्रों के दृष्टिकोण का विस्तार करना।** ***छात्रों को वृक्षों व वनस्पतियों के महत्व को समझना** ***छात्रों को पर्यावरण संबंधित जागरूकता का प्रसार करना *छात्रों को चिपको आंदोलन की जानकारी प्रदान करना।** ***छात्रों में अव्यय के विभिन्न रूपों की जानकारी प्रदान करना वह उसको समझाना।** ***छात्रों को अपठित बोध का ज्ञान प्रदान करना।**	एक सीट पर चित्र के माध्यम से दर्शाए। वृक्षों को कटने से बचाने के लिए दो स्लोगन बनाए। *अव्यय के भेदों को चित्र के माध्यम से दर्शाकर उनका वर्णन करे।	व्याख्यान विधि प्रश्नोत्तर विधि	***छात्रों ने अपने नई चीजों के दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया।** ***छात्रों ने वृक्षों एवं वनस्पतियों के महत्व को समझा।** ***छात्रों ने पर्यावरण से संबंधित जागरूकता को अपनाया वे समझा।** ***छात्रों ने अव्यय के विभिन्न रूपों की जानकारी प्राप्त की ।** ***छात्र में अपठित बोध विद्या को करना सीखा।**
दिसंबर	**सोन चिरैया-पाठ 13 दोहा दशक** **पाठ -14 गंगा मैली ना होने पाए**	***छात्रों को कबीर जी के जीवन के विषय में जानकारी प्रदान करना।** ***छात्रों को दोहों के विषय में समझाना।** ***छात्रों को दोहों से मिलने वाले शिक्षा व सदव्यवहार की जानकारी देना।** ***छात्रों को नदियों के विषय में बताना।** ***छात्रों को प्रदूषण की बढ़ते हुई समस्याओं पर जानकारी प्रदान करना।** ***छात्रों को प्रदूषण के**	कबीर जी के दोहे सीट पर लिखकर लाए व चित्र बनाए। भारत की प्रमुख नदियों को मानचित्र पर दर्शाकर पुस्तिका में चिपकाए।	व्याख्यान विधि व्याख्यान विधि	***छात्रों ने कबीर दास जी के जीवन के विषय में जाना।** ***छात्रों ने दो हो के विषय में समझा व जाना।** ***छात्र में दो से मिलने वाली शिक्षा व व्यवहार को अपनाया।** ***छात्रों ने नदियों के विषय में जाना।** *** छात्रों में पढ़ते हुए प्रदूषण के विषय में जानकारी प्राप्त की।** ***छात्रवाने प्रदूषण की**

	व्याकरण-कारक, अशुद्धि शोधन, पठित बोध, अनुच्छेद लेखन	**समाधानों के विषय में समझाना।** ***छात्रों को कारक की जानकारी प्रदान कर उन्हें उनके विभिन्न भेदों की जानकारी प्रदान करना।** ***छात्रों को वाक्य से संबंधित अशुद्धियों के विषय में बताना।** ***छात्रों को पठित बोध का ज्ञान प्रदान करना** ***छात्रों को अनुच्छेद लेखन की विधा का ज्ञान प्रदान करना।**	*कारक के चिन्हों को को लिखकर चित्र बनाए।	प्रश्नोत्तर विधि	**समस्या के समाधानों के विषय में समझा।** ***छात्रों ने कारक के विभिन्न वेदों को समझा।** ***छात्रों ने वाक्य से संबंधित शब्दों से संबंधित अशुद्धियों के विषय में जाना वह उन अशुद्धियों को दूर किया।** ***छात्रों ने पठित बौद्ध विद्या की जानकारी प्राप्त की।** ***छात्रों ने अनुच्छेद लेखन विद्या को समझा।**
जनवरी	**सोनचिरैया -पाठ 15 बेगम हज़रत महल** **पाठ-16**	***छात्रों में देशभक्ति की भावना का विकास करना** ***छात्रों में राष्ट्र और मातृभूमि के प्रति प्रेम की भावना का विकास करना।** ***छात्रों को भारत के स्वतंत्रता संग्राम में बेगम हजरत महल के योगदान के विषय में जानकारी प्रदान करना।** ***छात्रों को गांधी जी के बचपन की कुछ घटनाओं के बारे में जानकारी प्रदान**	किसी एक स्वतंत्रता सेनानी का वर्णन करके उसका चित्र लगाए। गांधीजी का चित्र लगाकर उनके जीवन के विषय में	व्याख्यान विधि व्याख्यान विधि	***छात्रों में देशभक्ति की भावना का विकास हुआ।** ***छात्र में राष्ट्र प्रेम व मातृभूमि प्रेम का विकास हुआ।** ***छात्रों में स्वतंत्रता संग्राम में बेगम हजरत महल के योगदान को जाना।** ***छात्रों ने गांधी जी के बचपन की घटनाओं के विषय में जानकारी प्राप्त**

	जीवन एक प्रयोग **व्याकरण- काल, पत्र लेखन**	**करना** ***छात्रों को अपनी गलतियों से सीखने और अपने भूलों को सुधारने के विषय में बताना** ***छात्रों को अपने जीवन की गलतियों से सीख कर अपने जीवन में विकास करने के विषय को समझना।** ***छात्रों को समय के विषय में बताना वह उसके विभिन्न भेद की जानकारी प्रदान करना।** ***छात्रों को पत्र लेखन की विधा के विषय में जानकारी प्रदान करना।**	कुछ बातों का वर्णन करे। काल के सभी भेदों का वर्णन करते हुए एक कहानी लिखिए।	प्रश्नोत्तर विधि	**की।** ***छात्रों ने अपनी गलतियों में फूलों से कोष सुधार कर अपने जीवन में विकास करने के विषय पर विचार किया।** ***छात्रों ने काल के विभिन्न भेद की जानकारी प्राप्त की।** ***छात्रों ने पत्र लेखन विद्या को समझा व औपचारिक और अनौपचारिक पत्र के अंतर को समझा।**
फरवरी		**वार्षिक परीक्षा पाठ्यक्रम की पुनरावृति**			